



Ancient Vedic Mantras and Rituals





Maa Katyayani Aarti

जय जय अम्बे, जय कात्यायनी।

जय जगमाता, जग की महारानी॥

अर्थ — अम्बे माता की जय हो, जय हो। कात्यायनी माता की जय हो।
कात्यायनी माता जो इस जगत की भी माता हैं, उनकी जय हो। इस जगत
की महारानी कात्यायनी देवी की जय हो।

बैजनाथ स्थान तुम्हारा।

वहां वरदाती नाम पुकारा॥

अर्थ — बैजनाथ में कात्यायनी माता का मंदिर है और वे अपने मंदिर से
भक्तों को वरदान देती हैं। जो कोई भी कात्यायनी माँ का नाम पुकारता है,
माँ उसका उद्धार कर देती हैं।

कई नाम हैं, कई धाम हैं।

यह स्थान भी तो सुखधाम है॥

अर्थ — माँ कात्यायनी के कई नाम हैं जो उनके तरह-तरह के गुणों को
प्रदर्शित करते हैं। उनके भिन्न-भिन्न रूपों के धाम भी कई हैं जो भारत के



अलग-अलग हिस्सों में स्थित हैं। आपका यह बैजनाथ धाम भी हमें सुख प्रदान करता है।

**हर मंदिर में जोत तुम्हारी।
कहीं योगेश्वरी महिमा न्यारी ॥**

अर्थ — हर मंदिर में माँ कात्यायनी के नाम की ज्योति जलती है। योगों की ईश्वरी मां कात्यायनी की महिमा सभी से अलग व अद्भुत है।

**हर जगह उत्सव होते रहते।
हर मंदिर में भक्त हैं कहते ॥**

अर्थ — कात्यायनी माँ के नाम के उत्सव तो हर जगह होते रहते हैं और हर मंदिर में भक्तगण मातारानी के नाम की पूजा करते हैं।

**कात्यायनी रक्षक काया की।
ग्रंथि काटे मोह माया की ॥**

अर्थ — कात्यायनी माता हमारे शरीर की रक्षा करती हैं और उसे रोगों से बचाती हैं। वे हमारे मन को नियंत्रण में रखने का भी कार्य करती हैं और उसे सांसारिक मोहमाया से दूर कर देती हैं।

**झूठे मोह से छुड़ाने वाली।
अपना नाम जपाने वाली ॥**

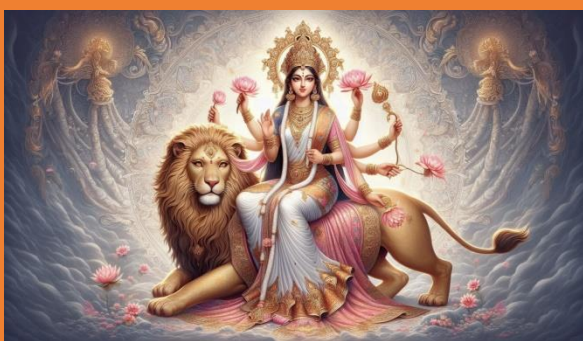
अर्थ — कात्यायनी मां ही हमें इस झूठी व भ्रम वाली मोहमाया से दूर करती हैं और अपना नाम जपवाती हैं ताकि हमारा उद्धार हो जाए।



करते हैं. भगवान शिव और पार्वती की उर्जा मिलकर एक अत्यंत ज्वलनशील बीज को पैदा करते हैं और भगवान कार्तिकेय का जन्म होता है. वह बड़े होकर सुन्दर बुद्धिमान और शक्तिशाली कुमार बने.।

ब्रह्मा जी से शिक्षा प्राप्त करने के बाद देवताओं के सेनापति के रूप में सभी देवताओं ने उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया और ताड़कासुर के खिलाफ युद्ध के लिए विशेष हथियार प्रदान किये, देवी स्कंदमाता ने ही कार्तिकेय को युद्ध के लिए प्रशिक्षित किया। भगवान कार्तिकेय ने एक भयंकर युद्ध में ताड़कासुर को मार डाला. इसप्रकार माँ स्कंदमाता को स्कन्द कुमार यानि कार्तिकेय की माता के रूप में पूजा जाता है. स्कंदमाता की पूजा करने से भगवान कार्तिकेय की पूजा अपने आप ही हो जाती है क्युकी वे अपनी माता की गोद में विराजे हैं.

Related Articles



[Maa Skandmata Aarti](#)



[Maa Skandmata Stotra](#)



THANKS FOR READING



READ MORE RELIGIOUS
CONTENT ON



vedicprayers.com



Follow us on:

